गोरक्षा समिति का प्रतिवेदन

*222. **श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :**
श्री ब्रह्मानन्दजी :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गोरक्षा समिति का प्रतिवेदन प्राप्त हो गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इस ने क्या मुख्य सिफारिशें की हैं, ; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अन्ना-साहिब शिन्दे) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता ।

(ग) समिति डेटा एकत्रित करने, गवाहों के परीक्षण और इस समस्या से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करने में लगी हुई है । यद्यपि समिति अपनी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने की इच्छुक है, तथापि अभी यह सब पूरा किया जाना संभव नहीं हो सका है ।

जम्मू तथा काश्मीर में दायर की गई चुनाव याचिकाएं

*223. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :

क्य **विधि** मंत्री यह बताने की कृपा कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत आम चुनाव के सम्बन्ध में जम्मू और काश्मीर में दायर की गई चुनाव याचिकाओं पर निर्णय दिया जा चुका है; और

(ख) इन याचिकाओं पर निर्णय किए जाने में विलम्ब होने के क्या कारण हैं ?

विधि मंत्री (श्री गोविन्द मेनन : (क) 4 निवार्चन अर्जियां लोक सभा के गत साधारण निर्वाचनों की बाबत और 57 निर्वाचन अर्जियां राज्य विधान सभाओं के निर्वाचन की बाबत फाइल की गई थीं । जम्मू-काश्मीर के राज्य विधान सभा की बाबत निर्वाचन अर्जियों में से, दो का निपटारा कर दिया गया । उनमें से एक के मामले में' जो कि त्रुटि के कारण खारिज कर दी गई थी, प्रत्या-वर्तन सम्बन्धी आवेदन इस समय उच्च न्याया-लय में लम्बित है ।

(ख) राज्य विधान सभा सम्बन्धी अर्जियां जम्मू-काश्मीर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1957 के अधीन गठित पांच निर्वाचन अधिकरणों के समक्ष पहल फाइल की गई थीं । सितम्बर 1957 में अधिनियम के संशोधन के पश्चात्, वे उच्च न्यायालय को अन्तरित हो गई । उनके विचारण के लिए दो तदर्थ न्यायाधीश नियुक्त कर दिए गए ह । अर्जियों का निपटारा करने में विलम्ब के मुख्य कारण हैं: निवार्चन-विधि में परिवर्तन, परिवर्तित विधि के अनुसरण में अर्जियों का उच्च न्यायालय को अन्तरण, और तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति में लगा समय ।

Symposium on Cropping Patterns

*224. SHRI RABI RAY: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether a symposium on cropping pattern was organized by the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi recently;

(b) if so, how many papers were presented to the symposium;

(c) whether Government's attention has been drawn to the observation of Dr. D. R. Gadgil that the bulk